www.cbseboardonline.com

Series JBB/4

SET-3

कोड नं. **3/4/3**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *प्रश्न-पत्र* ***चार*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***क, ख, ग*** *एवं* ***घ*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) ***खण्ड क*** *में प्रश्न अपठित गद्यांश पर आधारित हैं ।*

(iii) ***खण्ड ख*** *में प्रश्न संख्या* ***2*** *से* ***5*** *तक प्रश्न व्याकरण के हैं ।*

(iv) ***खण्ड ग*** *में प्रश्न संख्या* ***6*** *से* ***10*** *तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं ।*

(v) ***खण्ड घ*** *में प्रश्न संख्या* ***11*** *से* ***13*** *तक प्रश्न रचनात्मक लेखन के हैं ।*

(vi) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(vii) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(viii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से* ***केवल एक ही विकल्प का उत्तर*** *लिखिए ।*

(ix) *इसके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

www.cbseboardonline.com

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

भूख से मरते बेकार लोगों का परमेश्वर तो कोई काम और उससे मिलने वाली रोटी ही है । उनके लिए परमेश्वर का यही एकमात्र स्वीकार्य रूप हो सकता है । ईश्वर ने मानव की सृष्टि काम करके अपना भोजन जुटाने के लिए की । जो काम नहीं करते वे एक प्रकार के चोर हैं । भारत में आज भी अनेक लोगों को लाचारीवश ही सही, आधे साल तक चोरों का सा जीवन बिताना पड़ता है । फिर क्या आश्चर्य यदि भारत आज एक विशाल कारागार बन गया है ? भूख ही वह कारण है जो भारत को चरखे की ओर लिए जा रहा है । चरखे की पुकार सबसे उदात्त, सबसे मीठी है । कारण, यह प्रेम की पुकार है । और प्रेम ही स्वराज है । अगर हमारे करोड़ों देशवासियों को अपने बेकार समय का उपयोग करना नहीं आता तो उनके लिए स्वराज का कोई मतलब नहीं है । इस स्वराज को थोड़े समय में प्राप्त करना संभव है और इसका एकमात्र उपाय यह है कि हम फिर से चरखे की शरण में जाएँ ।

मैं विकास चाहता हूँ, आत्म-निर्णय का अधिकार चाहता हूँ, स्वतंत्रता भी चाहता हूँ, लेकिन सब-कुछ आत्मा की ख़ातिर चाहता हूँ । मुझे तो इसमें शक है कि मानव लौह-युग में प्रस्तर युग से सचमुच आगे बढ़ा है । मैं इस ओर से उदासीन हूँ । हमें अपनी बौद्धिक शक्ति और अन्य सभी शक्तियों का उपयोग आत्मा के विकास के लिए करना है । आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से सम्पन्न किसी व्यक्ति के बारे में मैं आसानी से सोच सकता हूँ कि वह मानव-जाति के लिए कोई स्थायी और नया आविष्कार कर सकता है, वह ईश्वर का नित नवीन गुण-गान करते हुए इस दुख-संतप्त धरित्री को शांति और सद्भावना का संदेश दे सकता है । लोगों से चरखा अपनाने के लिए कहने का मतलब है श्रम की गरिमा का स्वीकार । चरखे को उसके गौरवपूर्ण स्थान से विदेशी वस्त्रों के प्रति हमारे आकर्षण ने ही दूर किया है । इसलिए मैं विदेशी वस्त्र पहनना पाप मानता हूँ ।

(क) आत्मा की ख़ातिर कौन-सी चीज़ें चाहिए ? *2*

(ख) स्वराज प्राप्ति के लिए किसकी शरण की बात की जा रही है और क्यों ? *2*

(ग) आधुनिक ज्ञान-विज्ञान से सम्पन्न व्यक्ति क्या-क्या कर सकता है ? *2*

(घ) चोर किसे कहा गया है और क्यों ? *2*

(ङ) लेखक की दृष्टि में विशाल कारागार क्या है ? *1*

(च) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

www.cbseboardonline.com

खण्ड ख

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) जॉर्ज पंचम की नाक की रक्षा के लिए हथियारबंद पहरेदार तैयार कर दिए गए थे । (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) मुड़कर देखा तो अवाक् रह गए । (रचना के आधार पर वाक्य का भेद लिखिए)

(ग) जब हम लोग न मिल सके तब तिवारी जी सीधे पाठशाला में चले गए । (सरल वाक्य में बदलिए)

(घ) मुहल्ले भर के ढेर सारे लड़कों की मंडली जल्द ही जुट जाती । (वाक्य-भेद लिखिए)

3. निर्देशानुसार वाच्य-परिवर्तन करके लिखिए : *1×4=4*

(क) चलो, ज़रा घूमें । (भाववाच्य में)

(ख) आओ, बैठा जाए । (कर्तृवाच्य में)

(ग) बाबूजी से यह हाल सुना नहीं गया । (कर्तृवाच्य में)

(घ) नवाब साहब ने संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया । (कर्मवाच्य में)

4. निम्नलिखित वाक्यों के रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए : *1×4=4*

(क) वहीं घूमते हुए एक <u>सिक्किमी</u> नवयुवक ने मुझे बताया ।

(ख) उसने <u>अपने-आप</u> ही कहानी शुरू की ।

(ग) भगत ने अपनी पतोहू को उसके <u>भाई के साथ</u> विदा किया ।

(घ) मूर्तिकार हार मानने वाला कलाकार <u>नहीं</u> था ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

(क) करुण रस का एक उदाहरण लिखिए ।

(ख) निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचानकर रस का नाम लिखिए :

"यह मेरी गोदी की शोभा, सुख सुहाग की है लाली ।
शाही शान भिखारन की है, मनोकामना मतवाली ।।"

(ग) 'रस' से आप क्या समझते हैं ?

(घ) 'उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है ?

(ङ) 'गोपियों की विरह दशा' के भाव किस रस के अंतर्गत आते हैं ?

www.cbseboardonline.com

खण्ड ग

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

एक बार कॉलेज से प्रिंसिपल का पत्र आया कि पिताजी आकर मिलें और बताएँ कि मेरी गतिविधियों के कारण मेरे ख़िलाफ़ अनुशासनात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए ? पत्र पढ़ते ही पिताजी आग-बबूला । यह लड़की मुझे कहीं मुँह दिखाने लायक नहीं रखेगी ... पता नहीं क्या-क्या सुनना पड़ेगा वहाँ जाकर ! चार बच्चे पहले भी पढ़े, किसी ने ये दिन नहीं दिखाया । गुस्से से भन्नाते हुए ही वे गए थे । लौटकर क्या कहर बरपा होगा, इसका अनुमान था, सो मैं पड़ोस की एक मित्र के यहाँ जाकर बैठ गई । माँ को कह दिया कि लौटकर बहुत कुछ गुबार निकल जाए, तब बुलाना । लेकिन जब माँ ने आकर कहा कि वे तो ख़ुश ही हैं, चली चल, तो विश्वास नहीं हुआ ।

(क) 'आग-बबूला' का आशय समझाते हुए लिखिए कि पिताजी के आग-बबूला होने के क्या कारण रहे होंगे ।

(ख) पिताजी लौटकर ख़ुश क्यों थे और उन्होंने अपनी प्रसन्नता को कैसे व्यक्त किया ?

(ग) माता-पिता का ऐसा भय बच्चों के विकास के लिए अनुचित क्यों है ? तर्क सहित लिखिए ।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) "सरकंडे का चश्मा, चश्मा भर नहीं था बल्कि हालदार साहब के लिए उसके कई अर्थ थे," उन अर्थों को स्पष्ट कीजिए ।

(ख) फ़ादर कामिल बुल्के मन से संन्यासी नहीं थे, ऐसा कैसे कह सकते हैं ?

(ग) नवाब साहब की नवाबी प्रकृति को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि उन्होंने खीरा खाना उचित क्यों नहीं समझा ।

(घ) 'बालगोबिन भगत' पाठ के आधार पर पुष्टि कीजिए कि भगत सच्चे कबीर पंथी थे ।

(ङ) 'नौबतख़ाने में इबादत' के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि बिस्मिल्ला खाँ और शहनाई एक-दूसरे के पर्याय कैसे हैं ।

www.cbseboardonline.com

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

लड़की अभी सयानी नहीं थी
अभी इतनी भोली सरल थी
कि उसे सुख का आभास तो होता था
लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था
पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

माँ ने कहा पानी में झाँक कर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के ।

(क) काव्य-पंक्तियों में 'सयानी' और 'भोली' शब्द आए हैं । लड़की के संदर्भ में इनके अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ख) माँ ने लड़की को कौन-कौन सी सीख दी ? उनके पीछे क्या कारण था ?

(ग) "पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की
कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की" – लड़की के लिए यह कहने का क्या आशय है ? इन पंक्तियों से उसका कैसा चित्र उभरता है ?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) "अल्पवयस बालक बुज़ुर्गों को छेड़कर आनंदित होते हैं" – 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) 'हरि हैं राजनीति पढ़ि आए' – में राजनीति से कृष्ण की किस नीति की ओर गोपियों ने व्यंग्य किया है और क्यों ?

(ग) 'संगतकार' कविता में मुख्य गायक के संदर्भ में 'नौसिखिया' का प्रयोग क्यों हुआ है ? स्पष्ट करके लिखिए ।

(घ) 'शेफालिका के फूल झरने' का भाव 'यह दंतुरित मुसकान' कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) प्रकृति की शोभा-श्री फागुन में कैसे अपना रंग-रूप बदलती है ? 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर लिखिए ।

www.cbseboardonline.com

10. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'साना-साना हाथ जोड़ि' की लेखिका को पहाड़ के सौंदर्य के किन दृश्यों ने चौंका दिया ? उन दृश्यों से उन्हें और क्या-क्या याद आने लगा ?

(ख) जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली ख़बर के दिन अख़बारों की क्या प्रतिक्रिया थी और क्यों ?

(ग) 'माता का अँचल' पाठ के लेखक के बचपन की स्मृतियों से अपने बचपन की यादों की तुलना करते हुए लिखिए कि आपका बचपन भी आज कितना बदल गया है ।

खण्ड घ

11. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 – 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : *10*

(क) आधुनिक जीवन-शैली और स्वास्थ्य

- जीवन-शैली में आ रहे परिवर्तन
- स्वास्थ्य का महत्त्व
- जीवन-शैली का स्वास्थ्य पर प्रभाव

(ख) विकास की देन – दूषित पर्यावरण

- प्रकृति, पर्यावरण की आवश्यकता
- मनुष्य की जवाबदेही
- विकास की आधुनिक अवधारणा में पर्यावरण

(ग) 'पर उपदेश कुशल बहुतेरे'

- उपदेश से तात्पर्य
- उपदेश और आचरण
- उपदेश महत्त्वपूर्ण अथवा आचरण

www.cbseboardonline.com

12. 'स्वच्छता अभियान' के कारण लोगों के व्यवहार और मानसिकता में आए परिवर्तन पर अपने विचार प्रकट करते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

अथवा

दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात् आप व्यावसायिक विषय लेना चाहते हैं, जबकि आपके माता-पिता विज्ञान के लिए उत्सुक हैं । अपने विषय-चयन के पीछे अपनी रुचि आदि का उचित कारण बताते हुए पिता को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

13. "प्रकृति की रक्षा से धरती और मानव-जाति की रक्षा संभव है" – इस विषय पर लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*

अथवा

पर्यावरण की शुद्धता के लिए सरकार की ओर से सार्वजनिक वाहनों के उपयोग की अपील करते हुए लगभग 25 – 50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए । *5*